RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक

जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 19 | अंक : 214 | 30 मई, 2023 | मूल्य : 30/-प्रति

एक दिन समाज एकता के नाम

माली महासंगम

सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक, राजनेतिक चेतना के लिए एक दिवसीय

स्थान:
विद्याधर नगर स्टेडियम, जयपुर

चलो जयपुर

रविवार
04
जून 2023
प्रातः 10.00 बजे से

हार्दिक बधाई

तुषार सैनी
44वां रैंक

योगेश सैनी
323 वीं रैंक

हरीश माली
674वीं रैंक

यूपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर आईएएस बन समाज को गौरवान्वित करने पर हम सभी की ओर से बारम्बार आभार, अभिनंदन। तीनों युवाओं ने माता पिता के साथ ही समाज को गौरवान्वित किया है। हम सभी इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

गहलोत परिवार द्वारा शिक्षा के मंदिर हेतु 11 लाख की 15 बीघा भूमि संस्थान को भेंट

रामनिवास गहलोत, अशोक, अनिल, राजवीर व रणवीर रियांबड़ी हाल जोधपुर व दुबई निवासी ने माली संस्थान रियांबड़ी को रूपए 11,11,111 (ग्यारह लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए) 15 बीघा भूमिदान हेतु राशी संस्थान को सप्रेम भेंट।

हम सभी गहलोत परिवार का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन करते हैं आपने महात्मा ज्योतिबा फुले सावित्रीबाई फुले की विचारधारा से प्रभावित हो शिक्षा हेतु जो बहुमूल्य योगदान दिया उसके लिए समाज सदैव आपका ऋणी रहेगा हमें आप जैसे भामाशाह परिवार पर गर्व है।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 19 ● अंक 213 ● 30 मई, 2023 ● ● मूल्य : 30/-प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान प्रकाश चौहान
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली
(शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार
(कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद्/ समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्योगपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्रीमान चंद्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

श्रीमान प्रकाश सिंह गहलोत
(कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्रीमान दीपक सिंह गहलोत
(आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान रामचंद्र सोलंकी
(पूर्व अध्यक्ष, रामदेवरा धर्मशाला)

ई. श्रीमान हरिसिंहजी पंवार
(MD, Teren Power PVt. Ltd.)

श्रीमान रोशनलाल कच्छवाह
(रीयल स्टेट / समाजसेवी)

माली सैनी संदेश संरक्षक सदस्यता अभियान में आपका हार्दिक स्वागत है

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

जस्टिस श्रीमान देवेन्द्र कच्छवाह (पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाईकोर्ट)

एडवोकेट श्रीमान पुरुषोत्तम सोलंकी (समाजसेवी, बाड़मेर)

श्रीमान नरेन्द्रसिंह गहलोत (पर्यावरणविद्, समाजसेवी, जोधपुर)

श्रीमान रघुभाई देवड़ा (भामाशाह - समाजसेवी, सिरोही)

श्रीमान इंजि. जुगल किशोर भाटी (भेल इण्डिया, भोपाल)

श्रीमान नरपत सिंह सांखला (बिल्डर्स/समाजसेवी)

श्रीमान संतोक सिंह गहलोत (व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान तारासिंह सांखला (व्यवसायी/समाजसेवी)

संपादक की कलम से...

दुविधा त्यागने से ही मिलेगा सफलता का साथ

आज हमारी सबसे बड़ी समस्या यह हो गई है कि हम संकल्प और विकल्प में झूलते रहते हैं और कर्म में जुटने की हमारी शक्ति क्षीण होती जाती है। इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा और बुरा परिणाम यह हुआ है कि हम अपने कार्यों में प्राय: असफल हो रहे हैं। इसी कारण निराशा और अवसाद हमें जकड़ लेते हैं। किसी भी काम के लिए जाते हुए, हम जाने क्यों, संकल्प और विकल्प में फंस जाते हैं। आईएएस का फार्म भरूं तो पास भी हो पाऊंगा या नहीं ? नौकरी के लिए अप्लाई तो करूं, पर इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा या नहीं ? मित्र से मिलने जाने की सोचें, तो फिर वही कि जाने वो मिलेगा भी या नहीं ? सच कहूं, तो यह दुविधा हमारी सबसे बड़ी दुश्मन बन गई है और हम इसके ऐसे 'आदी' हो गए हैं कि दुविधा में पड़े रहकर जीवन की कर्मभूमि से भागकर, असफलताओं को अपना बना लेते हैं। आखिर ऐसा क्यों होता है ? उत्तर बहुत छोटा-सा है कि हम आलस्य के वशीभूत 'कर्म से भागने के आदी' हो जाते हैं और अवसरों का लाभ नहीं ले पाते।

इधर एक प्रेरक बोध कथा पढ़ने को मिली, जिसने मुझे नई रोशनी दी है। आज वह बोध कथा आप सब में साझा करना चाहता हूं : एक राजा को उपहार में किसी दूसरे राज्य के राजा ने बाज के दो बड़े ही सुंदर बच्चे भेंट किए, जो बड़ी ही अच्छी नस्ल के थे। उस राजा ने कभी इतने शानदार बाज नहीं देखे थे। राजा ने उन दोनों बाजों की देखभाल के लिए एक बड़े अनुभवी आदमी को नियुक्त कर दिया। जब कुछ महीने बीत गए, तो उत्सुकतावश राजा ने बाजों को देखने का मन बनाया। राजा वहां पहुंचा, जहां बाजों को पाला जा रहा था। राजा ने देखा कि दोनों बाज काफी बड़े हो चुके थे और पहले से भी शानदार लग रहे थे। राजा ने बाजों की देखभाल कर रहे आदमी से कहा, 'मैं इन दोनों की उड़ान देखना चाहता हूं। तुम इन्हें उड़ने का इशारा करो।' उस आदमी ने ऐसा ही किया। इशारा मिलते ही दोनों बाज उड़ान भरने लगे। राजा ने देखा कि जहां एक बाज खुले आसमान की ऊंचाइयों को छू रहा है, वहीं दूसरा बाज कुछ ऊपर जा कर लौट आया और वापस आकर उसी डाल पर बैठ गया, जिस डाल से वो उड़ा था।

यह देखकर राजा को बड़ा अजीब लगा और राजा ने उन दोनों को पालने वाले से पूछा, 'क्या बात है, जहां एक बाज इतनी अच्छी उड़ान भर रहा है, वहीं ये दूसरा बाज उड़ना ही नहीं चाहता ?' उन दोनों को पालने वाला बोला, 'हुजूर ! इस बाज के साथ शुरू से यही समस्या है, वो इस पेड़ की डाल को छोड़ता ही नहीं।' राजा को दोनों ही बाज प्रिय थे और वे अपने दूसरे बाज को भी उसी तरह उड़ते देखना चाहते थे। अगले ही दिन पूरे राज्य में ऐलान करा दिया गया कि जो भी व्यक्ति दूसरे बाज को ऊंचा उड़ाने में कामयाब होगा, उसे राजा द्वारा खूब इनाम दिया जाएगा। एक से एक शिकारी बाज को उड़ाने का प्रयास करने लगे। हफ्तों बीत जाने के बाद भी उस बाज का वही हाल था। वो थोड़ा-सा उड़ता और वापस आकर उसी पेड़ की डाल पर बैठ जाता था, जहां बाकी समय बैठा करता था। फिर एक दिन कुछ अनोखा नजारा राजा ने देखा कि उसके दोनों ही बाज आसमान में खूब ऊंचे उड़ रहे हैं। राजा ने तुरंत उस व्यक्ति का पता लगाने को कहा, जिसने ये कारनामा कर दिखाया था। पता चला कि वह व्यक्ति तो एक साधारण-सा किसान है।

अगले दिन उस किसान को दरबार में बुला कर, इनाम की स्वर्ण मुद्राएं भेंट करने के बाद, राजा ने कहा, 'मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूं। बस तुम इतना बताओ कि जो काम बड़े-बड़े शिकारी नहीं कर पाए, वो तुमने कैसे कर दिखाया ? इस बाज को तुमने कैसे उड़ना सिखाया है ?' विनम्रतापूर्वक किसान बोला, 'राजन, मैं तो एक साधारण-सा किसान हूं। मैं ज्ञान की ज्यादा बातें तो नहीं जानता। मैंने तो बस उस पेड़ की वह डाल ही काट दी थी, जिस पर बैठने का यह दूसरा बाज आदी हो चुका था। जब वो डाल ही नहीं रही, तो दूसरा बाज भी अपने साथी बाज के साथ ऊपर उड़ने लगा।' जीवन का सच भी यही है कि हम सबको भी ऊपर उठने के लिए तमाम तरह के 'अवगुणों की डाल' काटना अनिवार्य है। अपनी कमियों और कमजोरियों को ठीक किए बगैर जीवन में ऊंचाई पाने की कल्पना भी बेमानी ही होती है।

मनीष गहलोत
संपादक

किसी ने खूब कहा है : -

'मंजिलें तो उन्हीं को मिलती हैं, जिनके सपनों में जान होती है। पंखों से सच में कुछ नहीं होता, हौसलों से ही उड़ान होती है !'

आइए, हम जीवन में 'गीता' की उस सीख को उतार लें, जिसने अर्जुन को कुरुक्षेत्र के युद्ध में विजयी बनाया। वह सीख यही तो है कि संकल्प और विकल्प की दुविधा को त्याग कर 'कर्म करो', फल हमारे हाथ में नहीं है, इसलिए उसकी चिंता कैसी ? कर्म मनुज का धर्म है, फल है प्रभु के हाथ। विकल्प छोड़, संकल्प लें, रहे सफलता साथ।'

जाति समाज से करें प्यार, सुनो भाई जीवणा दिन चार, जो नहीं करता समाज से प्यार, तो समझो उसका जीवन है बेकार।
समाज सेवा है बड़ी हितकारी, मिलकर कदम बढ़ाओ, नर हो या नारी हमारे समाज का सुखी हो हर परिवार
विनती करता है माली सैनी संदेश परिवार बारम्बार।

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

महात्मा फूले सामाजिक शिक्षण संस्थान द्वारा नई दिल्ली के छात्रावास में प्रशिक्षण से प्रथम आईएएस सलेक्शन

माता पिता का साया उठा, गुरुजनों ने हाथ थाम बनाया आइएएस

यूपीएससी में तुषार सैनी ने 44वां रैंक तो योगेश सैनी ने 323 वीं रैंक हासिल की। राजस्थान के हरीश माली 674वीं रैंक प्राप्त की

दिल्ली। 23 मई, 2023 को यूपीएससी के घोषित हुए परिणामों में समाज के तीन युवाओं ने सफलता प्राप्त की है। रेवाड़ी हरियाणा के तुषार सैनी ने 44वां, योगेश सैनी ने 323 वीं और राजस्थान के सुमेरपुर के हरीश माली ने 674वीं रैंक हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

कामयाबी प्राप्त करनी है तो जरूरी नहीं कि सब दिन किताब हाथ में लेकर रहे। बेशक पांच घंटे पढ़ी लेकिन उन पांच घंटों में पूरा ध्यान किताब में होना चाहिए।

जो पढ़ा है याद होना चाहिए, यूपीएससी क्लीयर करने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। यह कहना है यूपीएस परीक्षा में समान्य वर्ग में 44वीं रैंक हासिल करने वाले तुषार कुमार सैनी का तुषार शहर की ही सती कालोनी के रहने वाले हैं। माता-पिता दोनों का साया सिर से उठ गया तो गुरूजनों ने उसका हाथ थामा। गुरु ने हाथ थामा ने और शिष्य ने कामयाबी का ताज सिर पर पहनकर उन्हें नमन करने में कोई कमी नहीं छोड़ी।

मम्मी-पापा के जाने के बाद लगा कि अब कुछ नहीं बना गुरुजन बोले आइएस बनकर दिखाओ तुषार कुमार बताते हैं कि चार साल पूर्व मां कमलेश सैनी का और दो साल पूर्व पिता ब्रजमोहन सैनी का निधन हो गया था। मम्मी-पापा के जाने के बाद लगा कि अब जीवन में कुछ नहीं बचा है। दस-बारह हजार की नौकरी करके बस गुजर बसर कर लेंगे। इसी दौरान विपिन कुमार शर्मा और शिक्षिका शीलजा जिनसे तुषार अकसर मार्गदर्शन लेता रहता था उन्होंने उसको परेशानी को समझा। विपिन शर्मा ने तुषार को समझाया कि तुम्हें आइएएस बनना है। यहीं माता-पिता के प्रति सच्चो श्रद्धांजलि ने इस सपने को पूरा होगी।

तुषार ने अपने सपने पूरे करने के लिए दिन रात एक कर दिए। गुरु विपिन शर्मा बताते हैं कि तुषार को अगर एक हजार लोगों के बीच भी बैठा दिया जाता तो भी वह अपनी किताब पढ़ते रहते थे। उनकी एकाग्रता को चुनौती देन कठिन है। तुषार ने अपनी बारहवीं तक की पढ़ाई शहर के ही राजकीय बाल विद्यालय से की। सरकारी स्कूल से बारहवीं करने के बाद बी.कॉम. केएलपी कालेज से की तुषार बताते हैं कि सुबह उठकर वह रोजाना समाचार पत्र जरूर पढ़ते हैं ताकि अपडेट रहें। तुषार के बड़े भाई राहुल का कहना है कि छोटे भाई ने सीना गर्व से चौड़ा कर दिया।

पिता का साया उठा तो मां ने हौसला बढ़ाया और योगेश सैनी बनें आइएस

इसी प्रकार रेवाड़ी के योगेश सैनी जिनके पिता का सपना था कि बेटा आइएएस बनें। करीब साल पूर्व पिता का साया सिर से उठ गये तो योगेश का मन भीतर तक टूट

चुका था। मां ने हौसला दिया और बेटे का हर कदम पर साथ दिया। बेटे ने भी पिता का सपना पूरा करने के लिए दिन रात एक कर दिया और यूपीएस की परीक्षा उत्तीर्ण करके साबित कर दिया कि मन में अगर ठान लिय जाए तो कुछ भी नामुमकिन नहीं होता है। शहर के नसियाजी रोड निवास योगेश सैनी ने यूपीएसस की परीक्षा में 323वीं रैंक हासिल की है। योगेश को जिस समय यह सूचना मिली कि उनका यूपीएससी क्लीयर हो गया है, उस समय वह बिहारी जी के दर्शन कर रहे थे। जैसे ही सूचना मिली वह ट्रेन से रेवाड़ी पहुंचे। स्टेशन से घर तक उनको ढोल नगाड़ों के साथ लाया गया।

योगेश सैनी ने स्नातक के दौरान ही शुरू कर दी थी तैयारी योगेश ने बारहवीं कक्षा की पढ़ाई डीपीएस स्कूल से पूरी की। इसके बाद दिल्ली के हंसराज कालेज से बीएससी की पढ़ाई पूरी की। बीएसी करते हुए ही उन्होंने आइएएस की परीक्षा की भी तैयारी शुरू कर दी थी। योगेश बताते हैं कि उनका सपना आइएएस बनने का ही था। दरअसल योगेश के पिता स्वर्गीय दीपक सैनी चाहते थे कि बेटा आइएएस बनें। योगेश ने पिता का सपना पूरा कर दिया है। पिता के जाने के बाद मां तरुणा सैनी ने मां और बाप दोनों की भूमिका निभाई। बेटे को हर जरूरत को पूरा किय पल-पल उसके सथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही। भाई सूरज सैनी ने भी अपने छोटे भाई के सपने को पूरा कराने में कोई कमी नहीं छोड़ी। भाई सूरज सैनी ने आइआइटी चेन्नई से एम.टेक. की पढ़ाई पूरी की है और वर्तमान में चेन्नई की ही आइटी कंपनी में नौकरी कर रहे हैं। योगेश का कहना है कि दादी मूर्ति देवी का आशीर्वाद हमेशा ही उनके सथ रहा। योगेश की कामयाबी पर ताऊजी लक्ष्मण सैनी, विनोद सैन, संजय सैनी, ओमप्रकाश सैन, बीपी शर्मा, विनय नी आदि ने बधाई दी।

मांगीलाल माली ने 675वीं रैंक पाकर यूपीएससी क्लीयर किया

यूपीएससी परीक्षा 2022 के घोषित परिणाम में मांगीलाल माली एवं श्रीमती फैंसी देवी माली के पुत्र हरीश कुमार ने 674 वीं रैंक पाकर समाज का नाम उज्जवल किया है। हरीश कुमार पाली जिला के सुमेरपुर के रहने वाले हैं। मुखर्जी नगर दिल्ली में माली समाज के छात्रावास में रहकर कोचिंग कर सफल हुए हैं।

महात्मा फूले सामाजिक शिक्षण संस्थान के कोषाध्यक्ष रामलाल कच्छावा, महासचिव रामनारायण चौहान, संस्थान के सहयोगी पूर्व एडीएम कालूराम बुनकर ने श्री हरीश कुमार का छात्रावास के प्रशिक्षणार्थियों के बीच मिठाई खिलाकर और माला और बुके देकर सम्मानित किया। संस्थान के अध्यक्ष गंगाराम गहलोत पूर्व अध्यक्ष शंकरराव लिंगे,संयुक्त सचिव एडवोकेट अनुभव चंदेल,गुजरात के पंचाभाई माली, ईश्वर भाई माली, दीप माली, निकुंज माली सहित पदाधिकारियों एवम सदस्यों ने हरीश कुमार के उज्जवल भविष्य की कामना की।

दिल्ली में समाज के यूपीएससी प्रशिक्षण लेने वालों के लिए छात्रावास की सुविधा प्रारंभ है। जिसमें 39 छात्र तथा 3 छात्राएं रहकर कोचिंग ले रही है। दिल्ली स्थित छात्रावास का हरीश कुमार पहला समाज का विद्यार्थी है जिसने यहां रहकर कड़ा परिश्रम कर यूपीएससी उत्तीर्ण कर समाज का गौरव बढ़ाया।

हम सभी समाज के युवाओं को इस उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं आप सभी ने कठिन परिस्थितियों में कड़ी मेहनत कर जो मुकाम हासिल किया है उससे आज की युवा पीढ़ी को सीख लेते हुए प्रण लेना चाहिए कि हम अगर ठान ले तो कोई भी कार्य नामुमकिन नहीं है। समाज की अनेकों संस्थाओं,प्रबुद्धजनों ने सभी को बधाईयां प्रेषित की है।

अष्ट्म सामूहिक विवाह समारोह में समाज के सभी वर्गों ने लिया भाग

सोजत में अग्नि को साक्षी मान 52 युगल बने हमसफर

सोजत। रामद्वारा स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर पर मंगलवार को स्वामी चेतनगिरी महाराज के सान्निध्य में माली समाज का अष्टम सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें पं पांचाराम जोशी के आचार्यत्व में 52 जोड़ों ने अग्नि के समक्ष फेरे लेकर एक-दूसरे का हाथ थामा।

सवेरे गाजे बाजे संग बारातें पहुंची। जहां विधिवत रूप से तोरण पूजन कराया गया। विवाह सम्मेलन में दिनभर मेले सा माहौल रहा। माली समाजबंधुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इधर, बंदोली पर पथराव की घटना से माहौल गरमाने के बाद मंगलवार को सामूहिक विवाह में पुलिस बल तैनात रहा, हर ओर पुलिस की नजर रही। इससे शांतिपूर्ण आयोजन सम्पन्न हुआ। एक दिन पहले कलक्टर व एसपी ने सभी वर्ग के प्रतिनिधियों की बैठक कर शांति की अपील की थी। शहर में शांति का माहौल बना रहा।

स्वागत व वरमाला

विवाह स्थल पर बने विशाल पांडाल में वर वधुओं के लिए अलग अलग कुर्सियां लगाई गई। जहां दूल्हा दुल्हन ने एक दूसरे को स्वामी चेतनगिरी महाराज के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वरमालाएं पहनाई। समारोह के बाद तोरण रस्म अदा की गई। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अग्नि के समक्ष पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न हुआ समाजबंधुओं ने युगलों को आशीर्वाद दिया। इस मौके माली समाज अध्यक्ष चुतराराम गहलोत, उपाध्यक्ष लक्ष्मणराम गहलोत, सचिव मदन छोटेवाला, संरक्षक ताराचंद टांक, चौधरी मुन्नालाल तंवर, चौधरी लुंबाराम सांखला, चौधरी भैराराम पालरिया, लक्ष्मणराम सांखला, ऐश्वर्या सांखला, चम्पालाल सांखला, मिश्रीलाल सांखला, रमेश सांखला, राजेंद्र चौहान, तेजाराम पालरिया, बालमुकुंद गहलोत, मांगीलाल चौहान, महेन्द्र पालड़िया, कमलेश सांखला, गौरीशंकर सांखला, आनन्द भाटी, सोहनलाल टांक, राजेन्द्र चौहान, हरिकिशन चौहान सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजनों ने भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सलाहकार निरंजन आर्य, विधायक शोभा चौहान, जुगलकिशोर निकूंभ, अमितसिंह कच्छवाह, सच्ची कच्छवाह, नित्यानंद श्रवन महाराज, चौताला अध्यक्ष नारायणलाल भाटी, भाजपा मंडल अध्यक्ष नरपत सोलंकी, तहसीलदार दीपक सांखला, चेन्नई माली समाज अध्यक्ष मनोहरलाल गहलोत, पारसमल परिहार चेन्नई, माली समाज पाली अध्यक्ष हरिकिशन गहलोत, ऐश्वर्या सांखला, राजेश सांखला, मदनलाल टांक, अशोक जॉगिड़ समेत कई जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की। उनका आयोजन समिति की ओर से बहुमान किया गया। भव्य आयोजन में समाज के सभी वर्गों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। ज्ञात रहे सोजत सामूहिक विवाह के हर वर्ष होने वाले आयोजन में सोजत के आस पास अनेकों समाज बंधुओं की भी भागीदारी रहती है, और सामूहिक विवाह समारोह वाले दिन अन्य कोई विवाह आयोजन नहीं किया जाता है।

वर वधु को बाल विवाह व भ्रूण हत्या रोकने की शपथ

माली समाज के सामूहिक विवाह में 132 जोड़े बने हमसफर

हिण्डोली। आदर्श माली विकास समिति की ओर से बड़ोदिया में सामूहिक विवाह सम्मेलन में 132 जोड़ो का पाणिग्रहण संस्कार किया गया। सम्मेलन में जनसैलाब उमड़ पड़ा। वरमाला कार्यक्रम में पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने सामूहिक विवाह को अपनाने और शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही।15 वां हाड़ौती माली समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति ग्राम बड़ोदिया हिंडोली के अध्यक्ष सत्यनारायण सुमन व प्रवक्ता नरेश सैनी कोटवाल ने बताया कि आदर्श माली विकास समिति बड़ोदिया में 132 जोड़ो का सामूहिक विवाह सम्मेलन सामाजिक सरोकार आदर्श व्यवस्था, अद्भुत कला संगम के साथ बड़ोदिया की जादुई झलक का उत्कृष्ठ नजारा था।

सभी वर वधु को बाल विवाह व भ्रूण हत्या रोकने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर कोटा से पहुंचे अतिथि समाज सेवी डॉ दुर्गा शंकर सैनी ने संबोधन में सामूहिक विवाह सम्मेलन को अद्भुत कला संगम, बड़े आशीर्वाद समारोह की तरह नजारा था। मेरे जीवन में इतना अद्भुत सामूहिक विवाह सम्मेलन नही देखा वर वधुपक्ष को सलाह दी कि सम्मेलन के बाद में आशीर्वाद समारोह ना करें एवं बचत राशि से शिक्षा और रोजगार में उपयोग करें। मंच से सामूहिक विवाह सम्मेलन में वक्ताओं द्वारा 12 प्रतिशत आरक्षण की मांगों का पुरजोर समर्थन किया। सामूहिक विवाह सम्मेलन में अनूठी पानी की व्यवस्था थी जिसमे लकड़ियों की खपचियो के मंच पर एक दर्जनों नल व्यवस्था नि:शुल्क गन्ने का रस स्टश्वल स्वच्छता संदेश, मूर्ति कला का संगम और फव्वारों के साथ दूधिया रोशनी और बड़ोदिया की कला का जादू ने बरबस ही सबको आकर्षित किया। रात्रिकाल में वर वधु वरमाला का आयोजन भव्य मंच पर आतिशबाजी के साथ हुआ। इस दौरान कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, पूर्व ब्लॉक हिंडोली दिनेश शर्मा, सरपंच बड़ोदिया राधेश्याम गुप्ता, माली समाज बूंदी जिलाध्यक्ष सीताराम सैनी, सत्यनारायण सैनी, फंदीलाल सैनी, मथुरा देवी, अजय गुर्जर मौजूद रहे। साथ ही पूर्व कृषि मंत्री द्वारा समाज को सामूहिक विवाह सम्मेलन अपनाने व शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही। इस दौरान सभी अतिथियों का सम्मेलन आयोजन समिति द्वारा स्वागत सत्कार किया। दोपहर कलश यात्रा और देव यात्रा में कोटा से अतिथि समाज सेवी डॉ. दुर्गा शंकर सैनी एवं मेवालाल बलंडिया, हेमंत सुमन, बिरधी लाल, बूंदी से जगदीश सुमन, शंकर लाल, भैरूलाल पटेल, सरपंच राम लाल सैनी, किशन सैनी, केसरी लाल सैनी का आयोजन समिति द्वारा दुपट्टा धारण करावाकर स्वागत सत्कार किया। अध्यक्ष सत्यनारायण व शिवराज ने सभी का आभार व धन्यवाद ज्ञापित दिया।

बांदीकुई में सैनी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 17 जोड़े बने एक-दूजे के हमसफर

बांदीकुई। महात्मा ज्योतिबा फुले सामाजिक एवं शैक्षिक विकास संस्थान बांदीकुई के तत्वावधान में आयोजित हुए 12वें सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज के 17 जोड़े एक दूजे के हम सफर बने। सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर शहर के पंडितपुरा रोड पर विवाह स्थल को लेकर पांडाल तैयार किया गया। पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ फेरे करवाए।

इस मौके पर सम्मेलन में पहुंचे समाज के वक्ताओं ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन से फिजूल खर्ची नहीं होती । इस प्रकार के आयोजन महासभा के अध्यक्ष छुट्टनलाल सैनी, बाबूलाल सैनी, बिरदीचंद संगोदिया, शंकरलाल सैनी, जयपुर शहर अध्यक्ष रमेश सैनी, प्रबंध समिति सैनी आदर्श विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान अध्यक्ष मुकेश सैनी, महात्मा ज्योतिबा फुले संस्थान अध्यक्ष मिंटूराम सैनी, पार्षद गिर्राज सैनी, पूर्व जिप सदस्य महेश सैनी, सुनीता सैनी, पूर्व सरपंच रामकरण सैनी, त्रिलोक सैनी सहित अन्य ने भी विचार व्यक्त किए।

नव विवाहित जोड़ों को ये दिए उपहार

सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज के भामाशाहों की ओर से नवविवाहित

जोड़ों को जमकर उपहार दिए। युवा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन भूपेंद्र सैनी ने सभी को एक-एक एलईडी, समाजसेवी भागचंद सैनी टांकड़ा ने एक-एक पंखे, सहित समाज के अन्य भामाशाहों ने बैड, कूलर, मिक्सी, चांदी की पायजेब, सोने की बाली, अंगूठी, घडी, प्रेस, रुम हीटर सहित अन्य सामान उपहार स्वरुप दिए गए।

जनकल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग हो रहा लाभान्वित- अशोक गहलोत

राजसमंद। अखिल भारतीय सगरवंशी माली समाज द्वारा आयोजित 'सतचंडी नवकुण्ड महायज्ञ' के समापन समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री सम्मिलित होते हुए जगत जननी माता जगदंबा को समर्पित इस कार्यक्रम में राजस्थान हेतु मंगल कामना की। हल्दी घाटी युवा महोत्सव के शुभारम्भ के बाद श्री गहलोत राजसमंद जिले के कनवेरा नगर (भीलमगरा) ग्राम में अखिल भारतीय सगरवंशी माली समाज द्वारा आयोजित सतचंडी नवकुंड महायज्ञ के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 25 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा एवं 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश की गौशालाओं को नौ महीने तथा नंदी शालाओं को बारह महीने का अनुदान दिया जा रहा है। हर परिवार के दो दुधारू पशुओं का प्रति पशु 40 हजार का बीमा कवर भी राज्य सरकार द्वारा दिया जा रहा है। साथ ही प्रति माह निःशुल्क राशन भी दिया जा रहा है। गैस की टंकी भी राज्य सरकार द्वारा केवल 500 रू. में उपलब्ध करवाई जा रही है। 100 यूनिट निःशुल्क घरेलू बिजली से अधिकांश घरों का बिजली बिल शून्य हो जायेगा। सामाजिक सुरक्षा के तहत न्यूनतम 1000 रुपए मासिक पेंशन तथा विद्यार्थियों को अनुप्रति कोचिंग योजना में निःशुल्क कोचिंग भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

देश के इतिहास में पहली बार तोपखाना रेजिमेंट में महिला अफसरों की नियुक्ति

हिसार की बेटी महक सैनी तोप-राकेट पर आएमाएगीं हाथ

हिसा। हिसार की बेटी महक सैनी अब सेना के अग्रिम मोर्चे पर तोप और राकेट पर हाथ आजमाएंगी। सेना के इतिहास में पहली बार आर्टिलरी रेजिमेंट (तोपखाना रेजिमेंट) में तैनाती पाने वाली पांच महिला अधिकारियों में महक सैनी भी शामिल हैं। बेटी को सेना की वर्दी में देख परिवार का सिर गर्व से ऊंचा हो गया है।

महक ने अपने परिवार की सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाया है। महक के पिता सतीश कुमार सैनी ने कहा कि आज खुशी है कि बेटी भी सेना में है। यह परिवार की तीसरी पीढ़ी है। महक का परिवार हिसार के सेक्टर-16-17 में रहता है। महक ने बचपन से ही घर में सेना की वर्दी देखी। दादा और बाद में पिता की वर्दी देखकर उसको भी सेना वर्दी पहनने का सपना मन में संजोया। इसी सपने को साकार करने के लिए एनसीसी से जुड़ी और मेहनत की। पढ़ाई में भी बचपन से ही होशियार थी। साइक्लोजी ऑनर्स विषय चुना। एनसीसी में टाप कैडेट रहीं और यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में वियतनाम के लिए चयनित हुई। बाद एनसीसी की मैरिट में छठें नंबर पर रहीं। इस बार सीडीएस में उसका चयन हुआ इसके और सपना पूरा हो गया। चेन्नई में ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी (ओटीए) में हुए प्रशिक्षण में महक ओवरआल तीसरे स्थान पर रही और ब्रांच पदक के साथ सम्मानित हुई।

तीसरी पीढ़ी सेना में आई : महक के दादा दयानंद सैनी भारतीय सेना में जेसीओ सूबेदार रहे। उनके पिता सतीश कुमार सैनी सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं। मां गीतांजलि मिलिट्री स्कूल में शिक्षिका रही हैं। भाई अक्षित सैनी दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीए कर रहा है। पिता की ट्रांसफर देश के अलग अलग राज्यों में होने के कारण महक की पढ़ाई भी देश के अलग अलग राज्यों में हुई। महक का जन्म बठिंडा के मिलिट्री अस्पताल में हुआ। उसके बाद प्राथमिक पढ़ाई जबलपुर, बरेली, श्रीनगर, चेन्नई, लखनऊ, झांसी व दिल्ली में हुई। दिल्ली यूनिवर्सिटी के लेडिज श्रीराम कालेज से साइक्लोजी आनर्स में ग्रेजुएशन की। इस दौरान एनसीसी से जुड़ी रही।

सेक्टर 16-17 निवासी महक सैनी भारतीय सेना के तोपखाना रेजिमेंट में तैनात होने वाली महिला अफसर वर्दी के जुनून ने दी सैन्य अफसर बनने की प्रेरणा, परिवार की सैन्य परंपरा को बेटी ने बढ़ाया आगे। हमे महक की इस उपलब्धि पर गर्व है आपने माता पिता के साथ समाज और विशेषकर महिलाओं युवाओं के लिए एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है।

माली समाज ने मांगा 12 फीसदी आरक्षण

माली छात्रावास में हुई महापंचायत

एकजुटता से लड़ने का आह्वान्

हिण्डोली। माली आरक्षण संघर्ष समिति के आह्वान पर बुधवार को माली छात्रावास में महापंचायत हुई। इसमें बूंदी, कोटा जिले से भी सदस्य पहुंचे। महापंचायत में समाज को 12 प्रतिशत आरक्षण सहित 7 मांगों को लेकर हुई चर्चा।

महापंचायत को संबोधित करते हुए पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने कहा कि आजादी के बाद भी माली समाज शिक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ है। ऐसे में समाज को आरक्षण की दरकार है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संख्या बल के आधार पर मांगें मनवाई जाती हैं। इसके लिए समाज को एकजुट होकर सरकार को ताकत दिखानी होगी। अशोक सैनी भादरा ने कहा राजस्थान में माली समाज बहुत सख्या में हैं। ऐसे में समाज एकजुट हो जाएं तो प्रदेश में राजनीतिक पार्टियां उनके प्रत्याशियों को तलाशते फिरेंगी। राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के के राष्ट्रीय राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सैनी ने कहा कि समाज 12 फीसदी आरक्षण के लिए पूरे प्रदेश में एक साथ आंदोलन करेगा। प्रदेश माली आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक मुरारीलाल सैनी ने कहा कि माली समाज 12 फीसदी आरक्षण लेकर रहेंगे। अभी समय है समाज एकजुट हो जाए। उन्होंने 4 जून को जयपुर में आयोजित महा संगम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। महा पंचायत को प्रदेश अध्यक्ष दीपक सैनी, कोटा संभाग प्रभारी रामलाल सैनी, नंद लाल सैनी, कोटा-बूंदी जिला आरक्षण संघर्ष समिति संयोजक प्रेम सैनी, सह संयोजक मुकेश कोटवाल, आरक्षण संघर्ष समिति कोषाध्यक्ष भोजराज सुमन, सचिव ब्रजमोहन सैनी, माली विकास समिति जिला अध्यक्ष सीताराम सैनी, मुकेश सैनी, ईश्वर सैनी, लोकेश सैनी, पोखर लाल सैनी, नंदलाल सुमन, शोजीलाल सैनी, कोटा से पार्षद राकेश पुतरा, महावीर सुमन, हेमंत सुमन, नैनवा संघर्ष समिति संयोजक सीताराम सैनी, महेन्द्र गहलोत, परमेश्वर सैनी, मथुरा देवी, सीता भाटी, नरेश कोटवाल, केसरी लाल सुमन, प्रेम सैनी, ईश्वर सैनी, लोकेश सैनी, मुरारी लाल सैनी, भूपेंद्र सैनी विष्णु कुशवाहा, सोनिया सैनी सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नरेश कोटवाल ने किया।

राजनीति में हिम्मत धीरज व शिक्षा जरूरी

पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी ने कहा कि राजनीति में आगे बढ़ने के लिए धीरज, हिम्मत व शिक्षा की महती आवश्यकता है। सैनी बुधवार 11 मई को माली छात्रावास में आयोजित महापंचायत में पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ओबीसी आरक्षण सर्वेक्षण के लिए जिला कलेक्टर से पिछड़ी जातियों के नाम भिजवाने को कहा है। उन्होंने कहा कि कई जातियां अभी भी दयनीय हालत में हैं। उन्हें राहत पहुंचाई जाए। सैनी ने कहा कि सरकार ने फुले बोर्ड का घोषणा कर दी, लेकिन गठन नहीं किया। फुले बोर्ड का गठन जल्द से जल्द किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार संविधान में 127 वे संशोधन में राज्य सरकार चाहे तो आरक्षण का प्रावधान कर सकती हैं। संविधान की मंशा अनुरूप अति पिछड़ी जातियों को आरक्षण दिया जाए।

विद्या ऋण: महावीर सिंह कच्छवाह ने राबाउमावि किसान कन्या नागौरी बेरा में किया शिलान्यास

60 साल पहले जहां पढ़े ; वहीं 10 लाख से बनांएगे सभागार

जोधपुर। विद्या का ऋण एकलव्य ने गुरु को अंगूठा देकर चुकाया था। आज भी कई लोग विद्या ऋण को उतारने में पीछे नहीं रहते। ऐसी ही शख्सियत है महावीर सिंह कच्छवाह वे पहले नागौरी बेरा में रहते थे। 73 साल के कच्छवाह ने 60 साल पहले नागौरी बेरा क्षेत्र की राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक स्कूल किसान कन्या में प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की थी। उनके मन में स्कूल के प्रति कुछ करने की भावना थी। बुद्ध पूर्णिमा को वे अपने भाई प्रदीप सिंह कच्छवाह और किशोर सिंह कच्छवाह के साथ पहुंचे और स्कूल में सभागार बनाने की इच्छा जताई। कच्छवाह ने बताया कि 60 साल पहले गली-कूंचे की जिस स्कूल में वे पढ़े वहां विकास कार्य करवाने की इच्छा थी। मगर समय और परिस्थितियों ने इजाजत नहीं दी। अब जब मौका मिला तो उन्होंने स्कूल के विकास में अपना छोटा सा योगदान देने की सोची। अब वे यहां 10 लाख रुपए की लागत से सभागार बनवाएंगे। बुद्ध पूर्णिमा को उन्होंने स्कूल के प्रधानाचार्य अनिल कुमार सांखला के साथ सभागार का शिलान्यास किया। 60 साल पहले सह शिक्षा का प्रावधान था कच्छवाह ने बताया कि 60 साल पहले स्कूलें कम थी। अधिकतर सरकारी स्कूलों में सह शिक्षा का प्रावधान था। लड़के-लड़की साथ पढ़ते थे। इसी स्कूल में उन्होंने प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने नागौरी बेरा क्षेत्र की स्कूल में सहयोग देकर विद्या ऋण उतारने की ठानी। शिलान्यास के साथ ही काम शुरू हो गया है। इस मौके पर बलवंत सिंह कच्छवाह, नरपतसिंह, प्रेमराज परिहार, सरस्वती परिहार, धीरज और देवेंद्र गहलोत उपस्थित थे।

संस्था प्रधान सांखला ने बताया कि शाला में चल रहे निर्माण कार्यो के लिए दमयंती कच्छवाह ने 51,000 रुपए, नरेश सांखला ने 51,000 और रामकिशोर राठी ने भी 1 लाख 25 हजार रुपए उपलब्ध करवाए। संस्था परिवार सभी का आभारी है। ज्ञात रहे हमारे पूर्वजों ने दशकों पूर्व समाज की बालिकाओं को शिक्षित करने के लिए इस विद्यालय की स्थापना की थी। हमारे पूर्वज शिक्षा के प्रति कितने सजग थे यह इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमारे समाज की ही सुमेर स्कूल 125 साल से शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाएं हुए है। हमारे समाज के पूर्वजों, भामाशाहों और विद्यालय में सहयोग करने वाले सभी वर्गो का विद्यालय परिवार आभार प्रकट करता है।

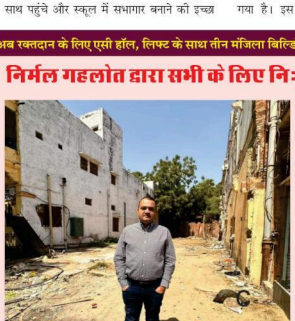

अब रक्तदान के लिए एसी हॉल, लिफ्ट के साथ तीन मंजिला बिल्डिंग में कोई भी रक्तदान शिविर का आयोजन करने वालो की किराया देने से मिलेगी मुक्ति

निर्मल गहलोत द्वारा सभी के लिए नि:शुल्क सर्वसुविधा युक्त रक्तदान सेंटर का निर्माण

जोधपुर। जोधपुर के उम्मेद अस्पताल से महज 200 मीटर, महात्मा गांधी व मथुरादास माथुर अस्पताल से क्रमश: 1.5 व 2.0 किमी की दूरी पर गीता भवन के सामने तीसरी चौपासनी रोड़ पर समाज गौरव डॉ. निर्मल गहलोत द्वारा रक्तदान सेंटर के निर्माण हेतु प्लॉट अपनी पूज्य माताजी के नाम से खरीदा है सेवा के एक नये प्रकल्प 'रक्तदान सेंटर'(Blood Donation Center) के लिए।

जोधपुर शहर के हृदय स्थल पर विभिन्न अस्पतालों व निर्मल गहलोत के उत्कर्ष कोचिंग सेंटर्स से वॉकिंग डिस्टेंस पर स्थित इस प्लॉट पर लिफ्ट सुविधा के साथ बनने वाले तीन मंजिला भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन करवाने वाली संस्थाओं व व्यक्तियों के लिए हॉल, पलंग, कुर्सियाँ, टेबल, रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था इत्यादि सभी तरह की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध रहेगी। कोई भी संस्था या व्यक्ति जो रक्तदान शिविर का आयोजन करवाना चाहे उन्हें केवल रक्तदाताओं को रक्तदान के लिए व पसंदीदा ब्लड बैंक को रक्त संग्रहण के लिए सूचित करना है, (हमारे पास भी सूची रहेगी, हम भी सूचना प्रसारण में सहयोग कर सकते हैं) बाकी सारी व्यवस्था इस भवन में उनको रेडिमेड मिलेगी। किसी प्रकार के अरेंजमेंट करने की आवश्यकता नहीं होगी।

सेवा के इस अनूठे प्रकल्प के लिए बनने वाले नये भवन के निर्माण के बाद रक्तदान शिविरों का आयोजन आसान हो जाने से उन व्यक्तियों व संस्थाओं को नियमित शिविर कराने के लिए विशेष प्रोत्साहन मिलेगा। उन्हें स्थान का चयन, विभिन्न व्यवस्थाओं, खर्चे इत्यादि से निजात मिल जायेगा। मैंने जोधपुर में रिसर्च के आधार पर पाया है कि ब्लड बैंक व रक्तदाता दोनों ही यहां पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है, आवश्यकता है तो नियमित रूप से बल्ड डोनेशन कैम्प की और जब एक्सलूजिव ब्लड डोनेशन कैम्प के लिए ही समर्पित सर्वसुविधायुक्त अत्याधुनिक तकनीकों से युक्त वातानुकूलित भवन उपलब्ध हो जायेगा तो रक्तदान शिविरों की संख्या में भी वृद्धि हो जायेगी। जैसे मन में विचार है उसी के अनुरूप सेवा का यह प्रकल्प जल्दी तैयार हो जाये परमात्मा से यही कामना है।

हम सभी अंचभित है निर्मल गहलोत के सेवाभावी सोच के जिसका कहीं अंत नहीं है। इनको ईश्वरीय वरदान मिला है आपको जो ऐसे सेवा कार्य करते है जिससे सर्व समाज का कल्याण होता है। अब तो निर्मल गहलोत की प्रशंसा के लि शब्द भी कम पड़ रहे। हम सभी की प्रार्थना है कि ईश्वर आपको दीर्घायु स्वस्थ जीवन प्रदान करे और आप नित नए सेवा कार्यो से सभी को लाभान्वित करते रहे।

ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की त्रैमासिक

जो पार्टी ज्यादा टिकट देगी, हमारा समाज उसी को वोट देगा – सैनी

पुष्कर। ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज (रजि) की इस वर्ष की प्रथम त्रिमासिक बैठक पुष्कर की बामदेव रोड़ स्थित होटल चौहान सेरेटन मे संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सिंह सैनी की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक इंद्रराज सिंह सैनी के सानिध्य में आयोजित हुई।

बैठक में मुख्य रूप से माली समाज को जनसंख्या के आधार पर राजनैतिक दलों में हिस्सेदारी की पुरजोर मांग की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष सैनी ने कहा कि प्रदेश के आगामी चुनावों में जो भी राजनैतिक पार्टियां समाज के प्रत्याशियों को ज्यादा टिकिट देगी समाज उसी के पक्ष में वोट करेगी। उन्होंने दोनों ही प्रमुख राजनैतिक दलों पर समाज की उपेक्षा करने का खुला आरोप लगाते हुए कहा कि अब समय मांगने का नहीं है बल्कि छीन कर लेने का है। गौ सेवा आयोग के सदस्य मोतीलाल सांखला एवं संस्था ने आगामी 4 जून को आयोजित माली महासंगम को सफल बनाने का समर्थन दिया एवं सभी से निवेदन किया गया कि समाजिक चेतना हेतु माली महासंगम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर सफल बनाने का संकल्प दिलाया गया। संस्था की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व विधायक कमलेश सैनी ने महिलाओं को एकजुट होकर सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक क्षेत्र में मजबूत होने का आह्वान किया।

युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप सैनी ने युवा इकाई के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा वर्तमान समय में युवाओं को राजनीतिक प्रशिक्षण दिए जाने तथा सोशल मीडिया पर सामाजिक गतिविधियों का अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार करने का जोर दिया गया। संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ताराचंद गहलोत ने संस्था के उद्देश्य एवं उपलब्धियों के बारे में जानकारी बताई गई। प्रदेश अध्यक्ष सेवाराम दगदी ने राजस्थानी परंपरा के अनुसार सभी अतिथियों का भव्य स्वागत साफा, माला, मोमेंटो देकर किया गया। संस्था के कोषाध्यक्ष आजाद सिंह सैनी ने आय व्यय के बारे में जानकारी दी गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सिंह सैनी एवं प्रदेश अध्यक्ष सेवाराम दगदी ने नवनियुक्त राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला कार्यकारिणी के सदस्यों को नियुक्ति पत्र देकर मान सम्मान दिया गया। मीटिंग में सोजत के सोहनलाल टांक को प्रदेश महासचिव एवं जैतारण के रामदेव सोलंकी को प्रदेश संगठन मंत्री एवं सोजत के ताराचंद सैनी को पाली जिला अध्यक्ष की नियुक्ति दी गई।

युवा विंग प्रदेश अध्यक्ष अजय सैनी ने बताया कि संस्था 1990 से सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में निरंतर कार्यरत हैं। मीटिंग में उत्तर प्रदेश के पूर्व सांसद परमेश्वर राम सैनी, संरक्षक ग्यारसी लाल सैनी, सलाहकार समिति के राष्ट्रीय संयोजक ताराचंद सैनी, कोर कमेटी चेयरमैन दिनेश सैनी, आईदान राम भाटी, राधेश्याम सैनी, महिला महासचिव रेखा सैनी, शुभलता सैनी सहित अनेक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संपूर्ण भारत के प्रदेश गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार, पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड आदि से गणमान्य समाज बंधुओं के पधारने पर प्रदेश अध्यक्ष दगदी ने सभी का आभार व्यक्त किया गया।

विश्व परिवार दिवस विशेष

185 सदस्यों का संयुक्त परिवार, मुखिया मोतीलाल माली सभी एक साथ रहते

185 लोगों का परिवार, लंच-डिनर का खर्च 12 लाख रू. 84 कमरों के 6 मकान, 700 बीघा जमीन कमाई 2 करोड

एक कथन है- बच्चा जब तक अजन्मा होता है, मां की कोख उसकी ढाल होती है और जब पैदा होने के बाद आखिरी सांस तक परिवार उसका सुरक्षा कवच होता है।

इस कथन की जीती जागती मिसाल है अजमेर के रामसर गांव में रहने वाला मोहनलाल माली का परिवार। परिवार, जिसमें 185 सदस्य हैं। हाल में फिल्म अभिनेता विक्की कौशल और सारा अली खान एक फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में हमारे समाज के इससंयुक्त परिवार से प्रेरणा ले अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए उनके गांव पहुंच रहे है बॉलीवुड सेलिब्रिटी विक्की कौशल और सारा अली खान 21 मई, 23 को अजमेर के गांव रामसर पहुंचे। यहां 185 लोगों के मोहनलाल माली के परिवार से मिले। दोनों ने इस परिवार की महिलाओं के साथ रसोई में चूल्हे पर रोटियां सेंकी। रोटी और भिंडी की सब्जी खाई। राजस्थान गानों पर जमकर डांस किया।

185 लोगों के परिवार का घर कितना बड़ा होगा? इतने लोगों के खाने पर कितना खर्च हो जाता होगा? परिवार की इनकम कितनी है?ऐसे ही कई सवालों के जवाब दिए परिवार के मुखिया मोहनलाल माली ने।

परिवार के सभी सदस्यों के लिए आसपास में परिवार के 6 मकान बने हुए हैं, जिनमें 84 कमरे हैं। एक बड़ी रसोई जिसमें खाना बनाने के लिए 11 चूल्हे लगे हुए हैं।

घर के मुखिया मोहनलाल ने बताया कि सिर्फ रसोई के राशन पर ही हर महीने 12 लाख रुपए खर्च हो जाते हैं। बच्चों के बिस्किट, टॉफी पर 1 लाख। 6 पीढ़ियों के 185 सदस्यों वाले इस परिवार के पास 700 बीघा जमीन है। कुछ सदस्य सरकारी नौकरी और कुछ डेयरी सहित दूसरे कामों से जुड़े हैं, लेकिन ज्यादातर खेती करते हैं। परिवार की सालाना कमाई 2 करोड़ रुपए है। परिवार की स्थिति हमेशा से इतनी मजबूत नहीं थी। शुरुआत में सिर्फ 4 बीघा जमीन थी और रहने के लिए 30 कमरे। फिर जैसे-जैसे परिवार बढ़ता गया, ताकत भी बढ़ती गई।

इस परिवार की रसोई। इसमें अलग-अलग 11 चूल्हे बने हैं। सभी महिलाएं एक साथ बैठकर खाना बनाती हैं। परिवार के मुखिया मोहनलाल ने बताया-पिता सुल्तान माली ने हमेशा एक साथ रहने की सीख दी। हम छह भाई थे। मेरे से बडेड भंवरलाल व रामचन्द्र का देहान्त हो चुका है, लेकिन वह खुद और उनके तीन छोटे भाई छगनलाल, छोटूलाल, बिरदीचंद हैं। आज भी छह भाइयों का परिवार साथ रहता है। इसमें 65 पुरुष, 60 महिलाएं व 60 बच्चे हैं।

पिता के समय बड़ा भाई एक सेठ के यहां हाली (नौकरी) करता था। केवल चार बीघा जमीन थी। बाद में सब साथ रहने लगे और काम-कमाई करने लगे। सब मिलजुल कर प्रेम से रहते थे और खेती-बाड़ी व डेयरी का काम करते थे। आज काम धंधे बहुत सारे हैं और कुछ लोग नौकरियां भी करते है। यह जॉइंट फैमिली का ही परिणाम है कि 700 बीघा जमीन है और कई काम धंधे है। ऐसे में आज परिवार बहुत समृद्ध है।

छह मकान के 84 कमरों में रहता परिवार

परिवार के लोगों ने बताया कि पहले एक ही मकान था, जिसमें 30 कमरे थे। जब परिवार बढ़ा तो जगह कम पड़ने लगी। इसके बाद एक मकान और बनाया, जिसमें 15 कमरे थे। इसके बाद 12 कमरों, आठ कमरों, पांच कमरों व 4 कमरों का मकान और बने। इस प्रकार कुल छह मकानों में 84 कमरे हैं। वर्तमान में सभी लोग यहीं पर रहते है।

संयुक्त परिवार से हर मुश्किल हो जाती है आसान

घर की महिला आचुकी देवी ने बताया कि महिलाएं बारी-बारी से अपना काम करती हैं। सुबह चार-पांच बजे उठ जाती हैं। खाना बनाने वाली खाना बनाती हैं और खेती व पशुपालन का काम करने वाली अपना काम। कभी कोई परेशानी नहीं होती। जॉइंट फैमिली है तो कभी एक पर काम का भार भी नहीं पड़ता। सब मिलजुल कर लेते हैं। परिवार है तो छोटी-मोटी बातें होती हैं, लेकिन आपस में

मिलजुल कर ही समस्या का समाधान कर लेते हैं। ज्यादा दिन या देर तक कोई नाराजगी नहीं रहती।

11 चूल्हों पर बनती है 65 किलो आटे की रोटियां

इतने बड़े परिवार के लिए भोजन की व्यवस्था आसान नहीं है, लेकिन इसके लिए सब कुछ मुखिया की ओर से तय किया गया है। घर की रसोई में बने 11 चूल्हों पर भोजन तैयार होता है।

सुबह चार बजे उठती हैं परिवार की महिलाएं

मुखिया के छोटे भाई छोटूलाल ने बताया कि महिलाएं सुबह चार बजे उठती हैं। झाड़ू-पोंछा करने के बाद करीब 10 महिलाएं सुबह के खाने की तैयारी में जुटती हैं। बाकी महिलाएं खेती-बाड़ी, पशुपालन के काम में लग जाती हैं। करीब 40 किलो आटा सुबह व 25 किलो आटा शाम को लगता है। सुबह ज्यादा आटा इसलिए लगता है कि बच्चे हैं तो दिनभर में कभी भी रोटी खा लेते हैं। 10 चूल्हों पर रोटी बनती है और एक चूल्हे पर अलग-अलग सब्जियां।

थोक में आते हैं फल, घर पर हलवाई बनाता मिठाई

मुखिया के ही छोटे भाई बिरदीचंद ने बताया कि घर में फल थोक में आते हैं। आम, अंगूर सबके कैरेट आते हैं। खरीदारी भी मंडी से करते हैं। इनकी मात्रा 100-50 किलो से कम नहीं होती। जिस दिन मिठाई खाने की इच्छा होती है तो हलवाई को बुलाते हैं और घर पर मिठाई तैयार की जाती है।

वर्तमान में यह है कमाई का जरिया

मोहनलाल बताते हैं कि शुरुआत में परिवार पूरी तरह खेती-बाड़ी व पशुपालन पर ही निर्भर था। जैसे-जैसे सदस्य बढ़े, काम-धंधे भी बढ़ते गए। पहले डेयरी खोली और फिर बिल्डिंग के मटेरियल को प्रोवाइड करवाने का काम शुरू किया। इसके बाद एक्लास ठेकेदार भी बन गए।

खेती-बाड़ी भी करना आसान काम नहीं

परिवार के पास 700 बीघा जमीन है। आठ ट्रैक्टर खेती-बाड़ी में लगे हैं। घर की तरह खेत में भी बारी-बारी से सबके काम तय किए जाते हैं। परिवार के लोगों का कहना है कि खेती-बाड़ी के साथ पशुपालन भी करना पड़ता है, जॉइंट फैमिली होने के कारण सब आसानी से हो जाता है।

पशुपालन-खेती में किए कई प्रयोग, सीएम कर चुके सम्मानित

परिवार के बिरदीचंद ने बताया कि खेती भी पारंपरिक तरीके से करने के बजाय हाइटेक तरीके से करते हैं। इसके लिए वे हरियाणा, पंजाब तक घूमकर आए, वहां देखा, उसे यहां करने का प्रयास किया। दूध डेयरी के लिए भी प्रयास किए। करीब आठ लाख रुपए माह का दूध होता है। बड़े भाई व छोटे भाइयों के साथ ज्यादा मुनाफा व ज्यादा उपज लेने के लिए कई प्रयोग किए। 2014 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व 2021 में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बेहतर किसान का सम्मान दिया।

सीसीटीवी से नजर, सोलर से बिजली

परिवार के ही सत्येन्द्र माली ने बताया कि वे भले ही गांव में रहते हैं, लेकिन सुविधाएं शहर के मुताबिक है। हमने छह घर, दुकानों व अन्य जगह 40 से ज्यादा सीसीटीवी लगा रखे हैं। बिजली चली भी जाए तो हमारे यहां अंधेरा नहीं होता। सोलर सिस्टम भी लगा रखा है।

सरपंच भी रहे, वार्ड पंच भी, चुनावों में अहम परिवार

परिवार से एक महिला अनिता सरपंच रह चुकी हैं। वह 2016 से 2021 तक सरपंच रहीं। कई बार वार्ड पंच भी रह चुके हैं। इसी प्रकार छोटी देवी सीआर का चुनाव भाजपा से लड़ीं, लेकिन हार गई। इस परिवार में 125 वोटर हैं और ऐसे में चुनाव के दौरान इस परिवार की भूमिका अहम होती है। ग्राम पंचायत स्तर के चुनाव में हार-जीत के फैसले में इस परिवार की बहुत भूमिका होती है।

गांव के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी- अनिता

अनिता देवी ने बताया कि जब वह दस साल पहले सरपंच बनी तो गांव के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी। वह पांचवीं पास थीं, लेकिन सड़क बनाई, हैंडपंप खुदवाए। गांव के लोगों को सरकारी योजनाओं का फायदा देने के लिए हर वो प्रयास किया गया, जो जरूरी था। बाद में आरक्षित सीट होने के कारण उनके परिवार को मौका नहीं मिला।

इन सवालों पर परिवार के मुखिया मोहनलाल के जवाब....

सवाल- **परिवार में कभी लड़ाई-झगड़ा नहीं होता?**

जवाब- पिता ने मिलजुल कर रहने की सीख दी। कभी कोई छोटी-मोटी बात हो भी जाती है तो आपस में मिलजुल कर निपटा लेते हैं। लड़ाई-झगड़े जैसी बड़ी बात कभी नहीं होती। राड़ खाने-पीने पर होती है और हमारे घर में इस पर कोई बंदिश नहीं है। जिसको जो मर्जी, खाए-पीए।

सवाल- **कैसे मैनेज होता है घर का काम-काज?**

जवाब- सब अपना काम करते हैं, काम तय हैं। किसी पर कोई दबाव नहीं डाला जाता। मनपसंद काम दिए गए हैं। बड़ा परिवार है तो सब तरह के लोग हैं। सभी को एडजस्ट करके चलना पड़ता है। सभी धैर्य से काम लेते हैं।

सवाल- **परिवार में कोई पैसा जोड़कर अलग रखे तो?**

जवाब- जीवन यहीं पर जीना है। कुछ भी साथ नहीं जाएगा। अपना व्यवहार ही लोग याद करेंगे। पहेंसो लार थोड़ी ही ले र जासी। हाथ की अंगूठी भी घर वाले मरने पर खुलवा लेते हैं। फिर किस बात की परवाह रखनी। वैसे भी सबको जरूरत के अनुसार या उससे ज्यादा अपने आप मिल जाता है।

सवाल- **एकजुट रहने का क्या फायदा-नुकसान?**

जवाब- परिवार के लोग एक साथ रहे तो नुकसान क्या हो सकता है, फायदे ही फायदे हैं। सब लोग अपना काम करते हैं, कमाते हैं। पैसा एक जगह आता है तो मैनेज अच्छे से हो जाता है। यही कारण है कि हमारे पिता के पास कुछ खास नहीं था। आज हमारे पास सबकुछ है। सुख-दुख में साथ रहते हैं। एक व्यक्ति पर काम का बोझ नहीं पड़ता, सब मिलकर कर लेते हैं।

सवाल- **परिवार में कितनी पीढ़ी, कितने लोग?**

जवाब- हमारे पिता के हम छह भाई थे। छह भाइयों के 14 लड़के व छह लड़कियां हैं, सभी की शादियां हो चुकी हैं। बड़े भाई भंवरलाल के सुखदेव, भागचन्द, ब्रह्मदेव व तेज लड़के व रसाल, मनोहर, पारसी, उससे छोटे रामचन्द्र के छीतर व कालू पुत्र तथा रामकन्या मेरे दो पुत्र पीरूलाल व चांदमल हैं। इसी प्रकार छगन लाल के पुत्र शिवराज, छोटूलाल के पुत्र शंकर, गजमल, भोलूराम व लड़की इन्द्रा, बिरदीचंद के रणजीत, गोपाल, व लड़की हीरा है। वर्तमान में हमारे यहां छह पीढ़ी हैं।

सवाल- **बड़े परिवार की कोई खास बात।**

जवाब- बड़े परिवार में कई बार खास बात होती है। किसी की पत्नी पीहर चली जाती है तो दूसरे लोगों को पता ही नहीं चलता। उसका घर वाला या बच्चे जानते हैं। आ जाती है और बताती है तो पता चलता है। लोग ही इतने हैं कि हर आदमी पर ध्यान नहीं रखा जा सकता। इसी प्रकार 60 बच्चे हैं और उनके नाम परिवार का हर सदस्य जाने, जरूरी तो नहीं।

टूटते परिवारों के लिए नजीर है यह परिवार... एक साथ रहते है 4 पीढ़ियों के 77 सदस्य, एक ही चूल्हे पर बनता है सभी का भोजन

नियम एक गल्ले में डालते हैं पैसे, हर खर्च का होता है हिसाब

झालावाड़। भागती-दौड़ती जिंदगी में टूटते परिवारों के लिए पनवाड़ बासुडिया परिवार एक नजीर है। एक ही छत, एक ही चूल्हा और चार पीढ़ियों के 77 सदस्यों का कुनबा रिश्तों की मजबूत बंधन की मिसाल है। खास बात यह है कि यह परिवार आज अन्य परिवारों के लिए एक प्रेरणा बन गया है।

चार पीढ़ियों के सभी 77 सदस्य न केवल आज भी एक छत के नीचे रहते हैं, बल्कि सभी का भोजन भी एक ही जगह बनता है। पड़दादा अपने पड़पोतों के साथ घर के आंगन में खेलते नजर आते हैं, तो भाई एक-दूसरे का हाथ बंटाने के लिए हर वक्त तैयार रहते हैं। पनवाड़ के इस परिवार की चर्चा भी दूर-दूर तक होती हैं। छह भाइयों के इस कुनबे में सबसे बड़े रामेश्वर की चार संतान, रामकिशन की पांच, मोहनलाल की चार, रामरत्न की चार, देवीलाल की पांच और छोटूलाल की चार संतानों के साथ उनके भी बेटे, बेटियां, पोते व पोतियां सभी एक साथ रहते हैं। घर में सबसे बड़े रामेश्वर का बीमारी के चलते पांच साल पहले निधन हो गया, तो सबसे छोटे छोटूलाल भी दुनिया में नहीं हैं। खास यह भी है कि हर दिन सुबह और शाम का भोजन परिवार के सभी 77 एक पंगत में बैठकर करते हैं। परिवार में चौथी पीढ़ी की सबसे छोटी बालिका एक वर्षीया विधि है।

22 बीघा जमीन थी, अब 175 बीघा, 15 पशु थे, अब 105 बासुडिया परिवार का कुनबा बढ़ा तो इनका व्यवसाय भी बढ़ता गया। पहले इस परिवार के पास 22 बीघा जमीन और 15 दुधारू पशु थे। आज इनके पास 175 बीघा जमीन है, जहां यह सब मिलकर खेती करते हैं। इस परिवार के पास आज 105 दुधारू पशु हैं। सदस्य सेवानिवृत्त शिक्षक रामकिशन ने बताया कि दादा बद्रीलाल सुमन ने करीब सौ साल पहले दूध दही का कारोबार शुरू किया था। आज खेती के अलावा परिवार के दो सदस्य रेस्टोरेंट और दूध डेयरी का संचालन करते हैं, तो चार सदस्य कृषि यंत्र बनाते हैं। कुछ सदस्य खल और दूध का कारोबार संभालते हैं। धन्य है यह दोनों परिवार और इनके परिवार के सभी सदस्य जो आज के युग में भी संगठित हो संयुक्त परिवार में रहकर सभी परम्पराओं के साथ ही जिम्मेदारियों का निर्वहन भी संयुक्त रूप से करते है। हम सभी को ऐसे परिवार से प्रेरणा लेनी चाहिए जहां आजकल एकल परिवार बढ़ रहे है जिससे अनेकों दिक्कतों का सामना करना पड़ता है वहीं ऐसे यह परिवार हमारे पूर्वजों की रम्पराओं को जीवत रख समाज को बड़ा संदेश दे रहे है।

बेटी कहीं भी जन्में... घर घर जाकर देते हैं 1100 रु का शगुन और 1 पौधा

5 साल से सेवा कार्य कर रहे गुमानसिंह सिंह सांखला, जरूरतमंद परिवार में शादी के दौरान कन्यादान में मदद करते हैं

जोधपुर के सलावास गांव में समाजसेवी युवा गुमानसिंह सांखला समाज में दे रहे है एक अलग है पहचान गुमानसिंह सांखला किसान वर्ग से आते है जिन्होने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं के तहत गाँव मे जिस घर मे बेटी का जन्म होता है उनको 1,100 राशि नकद देते है अब तक 27 बेटीयो के यह राशि दे चुके है वही 2 साल पहले से कन्यादान महादान के तहत गाँव कि बेटीयों को 1,100 राशि दे रहे है। अब तक 9 बेटियो को कन्यादान राशि दे चुके है।

गुमानसिंह ने समाज सेवा मे अलग हे पहचान बनाई है पेड़ लगाओं, पर्यावरण बचाओ के तहत अब तक गाँव मे 1,000 पेड़ भी लगा चुके है। वहीं युवाओ को रक्तदान महादान के लिए प्रेरित कर जगह जगह गाँवो में शिविर लगा रहे है। आज भी गांवों मे युवा रक्तदान करने के लिए डरते है हमे इनको जागरूक करना है। अब तक करीब 400 यूनिट रक्तादान करवा चुके है गुमानसिंह ने खुद 23 बार रक्तादान किया है। वहीं हर बार गर्मी के मौसम मे पक्षियो के लिए परिडें वह पक्षी घर भी लगाते है। अभी हाल ही में रिट के परीक्षा मे भी प्रशिक्षार्थी के लिए ठहरने खाने व बस के द्वारा सेन्टर तक छोडने की व्यवस्था भी कर अपना सामाजिक सरोकार निभाया। गुमानसिंह अपना जन्मदिन भी हर वर्ष गरीब मंदबुद्धि लोगों के बीच में जाकर उन्हें कपड़े मिठाई कम्बल आदि जरूरत की चीजों को बांट कर मनाते है।

पर्यावरण के साथ साथ पशुओं की सेवा के लिए भी सदैव तत्पर रहने वाले गुमानसिंह गौशालाओं मे भी अपना जन्मोत्सव कई बार मना चुके है। उनका कहना है कि हमारे समाज का हर वर्ग समाज सुधारक बनें। आज प्रकृति नष्ट होने के कागार पर है प्रकृति से जितना हमनें लिया है उतना तो वापस हम देकर समाज को एक नया संदेश दे और जीवन में कम से कम 2 पेड़ लगा उन्हें बड़ा होने तक सार संभाल करें।आज भी समाज में हम बेटा बेटियों को अलग नजरिए से देखा जाता है। हम सभी को विशेषकर युवा वर्ग को इस फर्क को भी खत्म कर उन्हें उचित सम्मान दे। उन्होंने रक्तदान और सेवा कार्य स्कूल के ही दिनों में शुरू कर दिए थे।

कोरोना काल मे भी मेने और मेरे पिताजी ने प्रवासी मजदूर की मदद कर खाने पीने के साथ ही सभी के ठहरने के लिए पहले लोकडाउन में फिर दूसरे लोकडाउन की। गुमान सिंह को खुद को उनके पिताजी को कोरोना हो गया था। फिर भी हार नहीं मानते हुए सालावास के सामुदायिक हास्पिटल में इलाज करवाया।कोरोना में उनकी CT18 थी लंगज भी खराब होग गए थे फिर भी हिम्मत नहीं हारी और कोरोना को मात दी। कोरोना काल में पूरा जोधपुर परेशान था पर गुमान सिंह भी अन्य सेवाभावी युवाओं की तरह फील्ड में मरीज की निःस्वार्थ सेवा करने कर रहे थे। पाल रोड स्थित श्रीराम आक्सीजन प्लांट से डाक्टर से लिखित में अनुमति ले ऑक्सीजन लेकर अस्पतालों व घरों मे ईलाज ले रहे मरीजों को मदद करते रहे। कोरोन में गुमान सिंह ने अपनी चाची व ससुर जी व निजी दोस्त को भी खो दिया । अनेकों प्रयास करने के बाद भी वे उन्हें बचा नहीं पाये जिसका दुख आज भी उनको है। और भगवान से प्रार्थना करते है कि वो पीड़ा के जो दिन मैंने देखे हे वह मेरे दुश्मन को भी भगवान नहीं दिखाएं।

अपना पूरा जीवन समाज सेवा को समर्पित करने वाले गुमानसिंह का कहना है कि प्रकृति ने हमें मानव जीवन दिया है तो कुछ करें जिस समाज में जन्म लिया है उसके लिए भी कुछ कर के जाना हैं। कीड़े मकोडे की तरह नहीं मरना हैं। साधारण किसान परिवार में जन्में गुमानसिंह के उच्च विचार और सेवा भाव के कार्यो के लिए अनेकों संस्थाओं द्वारा उन्हें सम्मानित भी किया है। हम युवा गुमानसिंह के इस सोच एवं जज्बें का सम्मान करते हुए उनका आभार प्रकट करते हैं और युवाओं से उनसे सीख एवं प्रेरणा ले सेवा के कार्यों में आगे आने का आग्रह करते हैं। हमें युवा गुमानसिंह सांखला पर गर्व है।

सेवा के लिए सदैव तत्पर

पर्यावरण प्रेमी नरेन्द्र गहलोत की ग्रीन माइंडेड फाउण्डेशन का अभियान

बीस हजार परिंडे व दानों के एक हजार पैकटों का होगा निःशुल्क वितरण

जोधपुर । सामाजिक सरोकार के तहत ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन पक्षियों के दाना-पानी के लिए बीस हजार परिंडे व एक हजार दानों के पैकेट निशुल्क वितरित करेगा। अशोक उद्यान सुबह 11 बजे सादगी भरे समारोह में वितरण कार्य शुरु किया गइस। ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र गहलोत ने बताया कि पालरोड स्थित अशोक उद्यान में निर्धारित स्थानों पर परिंडे लगाने के साथ आमजन को परिंडे व दानों के पैकेट वितरित किए जाएंगे। इस अभियान की शुरूआत राज्य पशुधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजेंद्र सोलंकी, नगर निगम उत्तर की महापौर कुन्नी परिहार, शहर विधायक मनीषा पंवार, पुलिस कमिश्नर रविदत्त गौड़ तथा पुलिस उपायुक्त पश्चिम गौरव यादव की मौजूदगी में की गई।

पहले कैंप में तीन हजार परिंडे व एक हजार दानों के पैकेट ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन निशुल्क वितरित किया। गहलोत ने बताया,कि पक्षियों के लिए परिंडे लगाने के साथ दाने वितरित करने का अभियान पूरे शहर में चलाया जाएगा। इसके तहत सार्वजनिक स्थान, रहवासी क्षेत्र जहां नियमित रुप से पक्षियों का आना जाना रहता हैं। वहां परिंडे वितरण योजना बनाकर किया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए बीस हजार परिंडे व सौ बोरी अनाज एकत्रित किया गया है। ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन लगातार दाना पानी के अभियान में लगा है नागौर बाड़मेर जैसलमेर पाली एवं अन्य आसपास के गांव से भी अब ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन से निशुल्क पक्षी परिंडे लेने लोग आते हैं टीम भी लगातार अपने स्तर पर कार्य कर रही हैं अब तक लगभग 10,000 पक्षी परिंडे वितरण किए जा चुके हैं 70 बोरी अनाज वितरण किया जा चुका है। नरेन्द्र गहलोत ने सभी से आग्रह किया कि आप भी ज्यादा से ज्यादा पक्षियों के परिंडे लगाए और बेजुबान पक्षियों के लिए इस गर्मी के सीजन में अपना योगदान दें।

दाना पानी अभियान की अगली कड़ी में बर्सडॅर सिक्योरिटी फोर्स के आईजी साहब अन्य अधिकारियों के साथ ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन की टीम मिलकर 500 पक्षियों के परिंडे लगाए। आइजी और अन्य अधिकारियों ने टीम को सम्मानित किया एवं जलपान करवाकर शुभकामनाएं दी और बोले की टीम आगे भी कार्य करती रहे। बीएसएफ ग्रीन माइंडेड फाउन्डेशन की की हर संभव मदद करता रहेगा । ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन टीम द्वारा बनाड़ आर्मी कैंप में 500 पक्षियों के परिंडे 5 बोरी अनाज वितरण किया। टीम को आर्मी द्वारा सुबह नाश्ता दोपहर को लंच करवा कर मान सम्मान के साथ भेजा । टीम लगातार इस गर्मियों के सीजन में दाना पानी के अभियान को चला रही है । कल का कार्यक्रम मंडोर बीएसएफ कैंप में रखा गया है टीम ग्रीन मंडे फाउंडेशन । टीम ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन ने मेगा आवास योजना आंगनवा में किए पक्षी परिंदे का निशुल्क वितरण अध्यक्ष मोहन सिंह ने फाउंडेशन के चलाए जा रहे राहत, बचत, बढ़त अभियान के तहत सोसायटी के लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में बताया व जानकारी साथ ही साथ ज्यादा से ज्यादा संख्या में सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए किया आहवान। मुख्यमंत्री श्रीमान अशोक गहलोत के 73 वें जन्मदिन के उपलक्ष पर भी ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन की पूरी टीम द्वारा जोधपुर के तमाम आसपास छोटे बड़े गांव में 2000 पक्षी परिंदे एवं 2000 अनाज के पैकेट वितरण किए एवं अपने हाथों से बांधे ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन

सुबह 6.00 से शाम को 6.00 बजे तक पुरी टीम मिलकर मुख्यमंत्री का जन्मदिन धूमधाम से मनाया।

टीम ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन में आज बीएसएफ एसटीसी फायरिंग रेंज दईजर में भी लगाए 500 पक्षी परिंडे साथी किया 200 पैकेट दाना का वितरण। इस अवसर पर बीएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट सुरेंद्र सिंह भालोतिया, इंस्पेक्टर बीआर जाट, एएसआई कमल सिंह, हेड कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार विश्नोई, सुबिमल घोष व यूआईडी सावर मल के साथ मिलकर टीम द्वारा 12 राइफल से फाउंडेशन की टीम को करवाएं आठ राउंड फायर उसके बाद जवानों के साथ मिलकर ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन ने लगाए पक्षी परिंडे साथी बीएसएफ जवानों ने ट्रेनिंग के दौरान फायरिंग में अपने अनुभव भी टीम के साथ किए साझा। फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र गहलोत के साथ टीम के उपाध्यक्ष जुगल गहलोत, इंदर सिंह गहलोत, चेतन, लक्ष्मण चौहान, विजय शर्मा, विक्रम सिंह भाटी, अनीता परिहार, सरला टाक, दलपत सिंह टाक, घनश्याम अग्रावत, लक्ष्मीनारायण सैन महावीर ककरिया,चतुर्भुज सैन, निर्मल गहलोत, जुगल किशोर जोशी, परवीन कुमार, पुरुषोत्तम मारू प्रीतम सिंह पंवार आदि ने सहयोग किया।

ग्रीन माइंडेड फाउंडेशन द्वारा संचालित दाना पानी आभियान में आज पूंजला नाडी पर 50 परिंदे बांधे गए। और सभी को शपथ दिलाई की बेजुबान पक्षियों के इन दाना पानी के पात्रों में कभी भी दाना और पानी की कमी नहीं आने देंगे। आयोजन में क्षेत्रीय पार्षद भैरोंसिंह परिहार एवं पर्यावरण प्रेमी जगदीश देवड़ा और अन्य आए हुए मेहमानों का हार्दिक आभार व्यक किया। ग्रीन माइंडेड फाउण्डेशन द्वारा गर्मियों से बेजूबान पक्षियों को राहत देने के लिए की गई पहल के लिए समाज के अनेकों सामाजिक संस्थाओं, प्रबुद्धजनों, सरकारी विभाग के अधिकारियों राजनेताओं द्वारा सम्मानित किया गया। हम सभी नरेन्द्र गहलोत एवं उनकी टीम का आभार प्रकट करते है आपकी टीम द्वारा पर्यावरण के लिए जो अतुलनीय कार्य किया जा रहा है उससे आमजन के साथ पशु पक्षियों को राहत मिल रही है।

16000 किमी की तिरंगा यात्रा पर निकले नरपत गहलोत, बीकानेर में भव्य स्वागत

जोधपुर। साइकिल तिरंगा यात्रा धार्मिक यात्रा में जन कल्याण में प्राणियों व पशुओं के हित सेवा कार्य में अपना अपना योगदान करने आदि जनहित में पूरे भारत की साइकिल द्वारा यात्रा में दिनांक 07.05.2023 को जोधपुर से रवाना हुए नरपत गहलोत पुत्र लूण सिंह गहलोत जोधपुर निवासी के बीकानेर पधारने पर बीकानेर माली समाज भवन में सादर सत्कार कर सम्मान किया गया। नरपत गहलोत ने बताया कि ये वर्ष ,2021 में भी 6000 किलोमीटर की श्रद्धांजलि यात्रा कर चुके हैं। अब 2023 में सभी धर्मो की धार्मिक यात्रा संपूर्ण भारत में 16,000 किलोमीटर यात्रा करेंगे। इससे पूर्व माता का थान निवासी नरपत गहलोत साइकिल की इस धार्मिक यात्रा का जोधपुर से रवाना हाने पर राज्य पशुधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजेन्द्र सोलंकी ने हरी झण्डी दिखाकर उन्हें रवाना किया। इसमें गंगोत्री, यमनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ (उत्तराखंड), हिमाचल, पंजाब में स्वर्ण मंदिर, रामेश्वर (तमिलनाडु), जगन्नाथ (उड़ीसा), गुजरात में द्वारका, सोमनाथ। शिरडी,महाबलेश्वर मुंबई (महाराष्ट्र), हरिद्वार प्रयागराज, वाराणसी (यूपी), केरल कन्याकुमारी, दिल्ली, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, झारखंड, चंडीगढ़, ख्वाजा मुइनीदीन दरगाह, पुष्कर, अजमेर, जयपुर, वीर तेजाजी, खरनाल, लिखिमिदास जी धाम अमरपुरा, सूफी साहब नागौर, रामदेवरा, तनोट माता, जैसलमेर आदि स्थानों पर यात्रा साइकिल द्वारा पूरी करेंगे।

बीकानेर में आयोजित सम्मान समारोह में कैलाश गहलोत, आसू राम कच्छावा, राजकुमार खड़गावत, पंकज सोलंकी, महेंद्र गहलोत, राकेश तंवर, जीतू बीकानेरी, हेमन्त कच्छावा, सपना तंवर, सरिता सांखला, अशोक कुमार कच्छावा, जयकिशन गहलोत, सांवर कच्छावा, जुगल किशोर गहलोत, भोजराज गहलोत, आकाश सांखला आदि उपस्थित रहे। सभी ने नरपत गहलोत को शुभकामनाएं प्रेषित की।

चिकित्सक दंपती डॉ. श्रवणसिंह एवं डॉ. लक्षिता गहलोत बनें असिस्टेंट कमांडेंट

पोकरण। पोकरण में जोधनगर कस्बे के निवासी डॉ. श्रवण सिंह तंवर एवं उनकी धमर्पत्नी डॉ. लक्षिता गहलोत असिस्टेंट कमांडेंट चिकित्सा अधिकारी बने और अभी गुजरात के गांधीनगर स्थित सीमा सुरक्षा बल के फ्रंटीयर हॉस्पीटल में अपना कार्यभार संभाला है। दोनों दंपति यूपीएससी की तैयारी कर रहे थें। और अस्टिंट कमांडेंट चिकित्सा अधिकारी बोर्ड की ओर से आयोजित परीक्षा में भाग लिया थं। डॉ. श्रवणसिंह के पिता डॉ. सुरेन्द्र सिंह तंवर पशुपालन विभाग में वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी है।डॉ श्रपणसिंह इससे पूर्व यूटीबी चिकित्सक के रूप में कस्बे के राजकीय उपजिला चिकित्सालय में अपनी सेवाएं दी थी।

समाज के दंपति के इस उपलब्धि पर उनके गांव में हर्ष की लहर छा गई परिवार को बधाईयों का दौर शुरू हो गया है। माली सैनी संदेश परिवार डॉ. श्रवण सिंह एवं डॉ. लक्षिता गहलोत को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई प्रेषित करता है। तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है हमें ही नहीं पूरे समाज को आप दोनों की इस उपलब्धि पर गर्व है।

माली सैनी संदेश पत्रिका के सहयोग से 1 महीने में बने सामाजिक ग्रुप में 1300 महिलाओं ने जुड़ कर सामाजिक जन जाग्रति का किया आव्हान

माली समाज जेम्स – 1000 ग्रुप; 300 से अधिक महिलाओं ने दी गोराधाय को श्रद्धांजलि

जोधपुर। माली समाज महिला ग्रुप जेम्स 1000 ने मातृ दिवस पर वीरांगना जसधारी गोराधाय को याद किया और मां का महत्व बताया। जेम्स ग्रुप की रिषिका गहलोत ने बताया कि 300 से अधिक समाज की महिलाओं ने गोराधाय को श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि पूव आरएएस प्रभा टाक ने जसधारी गोरा धाय की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। विशिष्ट अतिथि निदेशक वित्त जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड कीर्ति कच्छवाह थीं। प्रभा टाक ने कहा कि हर महिला अपनी बेटी व बेटे को संस्कारित करें यह काम एक मां ही कर सकती है। कीर्ति कच्छवाह ने मां और बच्चों के बीच परिवार में सामंजस्य व समन्वय पर जोर दिया।

गोराधाय से संबंधित रोचक सवाल पूछे

इस दौरान कई प्रतियोगिताएं हुई। प्रश्नोत्तरी में गोराधाय से संबंधित रोचक सवाल पूछे गए प्रथम प्रियंका गहलोत, द्वितीय बबीता व तृतीय मनी देवड़ा रही। सही जवाब देने वाले पुरस्‍त हुए। जेम्स ग्रुप की ;षिका गहलोत, कुसुमलता परिहार, कल्पना चौहान, आशा कच्छवाहा, एकता परिहार, लक्ष्मी गहलोत, पिनू सैनी, माया गहलोत, निधि परिहार, इंदु लक्ष्मी गहलोत आदि मौजूद थे।

ज्ञात रहे सामाजिक पत्रिका माली सैनी संदेश के माध्यम से समाज की जागरूक महिलाओं ने जेम्स ग्रुप से 1300 महिलाओं को जोड़ा है। पूर्व में भी माली सैनी संदेश पत्रिका द्वारा सावित्री बाई फूले की जंयती पर समाज की सभी अध्यापिकाओं को सम्मानित किया गया यहीं नहीं समाज की महिलाओं का सावन उत्सव का आयोजन भी किया गया था। इसी कड़ी में समाज की महिलाओं को सामाजिक आयोजनों के साथ सामाजिक कुरीतियों एवं जनजागृति के कार्यो में अधिक से अधिक जोड़ने के उद्देश्य से मातृशक्ति को आव्हान किया और हमारी समाज की महिलाओं ने 1 महीने में ही 1,300 से अधिक महिलाओं को जोड़ कर आयोजनों का शुभारंभ किया। आने वाले समय में महिलाओं के इस ग्रुप द्वारा समाज की प्रतिभाशाली महिलाओं के सांस्कृतिक, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, खेलकूद, वैवाहिक परिचय सम्मेलन, जुड़ो कराटे, योगा, डांस सहित अनेकों आयोजनों को लेकर विभिन्न कमेटियों का गठन किया जाएगा जिसमें ग्रुप की महिलाओं को उनके रूचि के अनुसार कमेटियों में लेकर साल भर के आयोजनों की रूप रेखा बनाई जाएगी। मातृशक्ति के इस प्रयास से न केवल समाज की महिलाओं को अपना हुनर दिखाने का मौका मिलेगा समाज में जनजागृति भी आएगी। निश्चय ही यह हमारे समाज की महिलाओं के लिए एक श्रेष्ठ प्लेटफॉर्म होगा जिसमें सभी महिलाएं समाज को जोड़ हमारे गौरवशाली इतिहास की प्रबुद्धजन महिलाओं से प्रेरणा ले युवा पीढ़ी को लाभान्वित करेगी।

राजलक्ष्मी चौहान की इसरो में सहायक वैज्ञानिक पद पर हुई नियुक्ति

कुमारी राज लक्ष्मी चौहान सुपुत्री बजरंग लाल चौहान की नियुक्ति 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अंतरिक्ष विभाग 'इसरो' में वैज्ञानिक साहयक पद पर हुई हैं।

समाज की प्रतिभावान बेटी राजलक्ष्मी को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपने माता पिता के साथ समाज को गौरवान्वित किया है हमें आप पर गर्व है।

महात्मा फुले अमर रहे ! !! जय ज्योति !! राष्ट्र महानायिका माता सावित्रीबाई फुले अमर रहे !! !! जय क्रांति!!

महाराजा शूरसेन सैनी

सम्राट अशोक

संत शिरोमणि
श्री लिखमीदास जी महाराज

भगवान गौत्तम बुद्ध

सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्या

बाबा भीमराव अम्बेडकर

जय ज्योतिबा फुले
जय सावित्रीबाई फुले

सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक, राजनेतिक चेतना के लिए एक दिवसीय

माली महासंगम

रविवार 04 जून 2023

चलो जयपुर

प्रातः 10.00 बजे से

स्थानः विद्याधर नगर स्टेडियम, जयपुर

चलो जयपुर

आयोजकः सैनी माली कुशवाह शाक्य मौर्य समाज राजस्थान

महासंगम से जुड़ने के लिए डायल करें– 96944-70196, 70140-85818

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा

श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर

श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लारामगहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल(ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पुनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, फलोदी
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबुलाल सैनी, पीपाड़ शहर

हार्दिक बधाई

हेमंत सैनी ने मिस्टर यूपी उत्तरप्रदेश बॉडी बिल्डर का जीता खिताब

हेमंत सैनी पुत्र राधेश्याम सैनी गाँव हसनपुर लुहारी के मुरादाबाद मे हो रही उत्तर प्रदेश बॉडी बिल्डर कॉम्पीटिशन 2023 मे अपना जोर दिखाया ओर मिस्टर UP का खिताब जीत कर अपने गाँव का नाम रोशन किया। मिस्टरनच चुने जाने पर हेमंत सैनी को हार्दिक बधाई। हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करे हैं।

सिविल सेवा में समाज का बढ़ता वर्चस्व

निशा कुशवाहा के सिविल जज बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हमें आप पर गर्व है।

किसान की बेटी सुनैना सैनी बनी टॉपर

रामपुर। किसान की बेटी सुनैना सैनी ने बिना ट्यूशन के सीबीएससी की 12वीं परीक्षा में 98.65 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बनी टॉपर। सुनैना की माता शिक्षिका है और पिता किसान है। सुनैना ने 3 विषयों में 100 प्रतिशत फीसदी अंक प्राप्त किए।

यूपी के रामपुर के स्मार्ट इंडियन मॉडल स्कूल की छात्रा सुनैना भोट की रहने वाली है। सुनैना ने बताया कि उन्होंने छोटे छोटे लक्ष्य निर्धारित किए। नियमित रूप से अध्ययन किया। बिना ट्यूशन स्कूल के शिक्षकों के द्वारा बनाएं नोट्स से प्रतिदिन 7 से 8 घंटे तक पढ़ाई की। माली सैनी संदेश से बात करते हुए सुनैना ने बताया कि उसका लक्ष्य आईएएस बनने का है। सुनैना ने बताया कि 10वीं में भी 97.4 प्रशित अंक पाएं थे। उसके छोटे भाई अनिकेत सैनी ने भी 2022 में सीबीएसई की 10 परीक्षा में 96 प्रतिशत अंक हासिल किए। सुनैना सोशल मीडिया पर नहीं है और पढ़ाई के अलावा खेलकूद में खाली समय कैरम व बैडमिंटन खेलने के साथ ही नियमित योगा करती है। सुनैना की इस उपलब्धि पर परिवार में खुशी का माहौल है। समाज के प्रबुद्धजनों के साथ ही सभी वर्गो ने हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाओं सहित सुनैना के उज्जवल भविष्य की कामना की। हम सभी को समाज की बेटी सुनैना की इस उपलब्धि पर गर्व है।

सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्वाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छावा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडंनू
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धमेन्द्र कच्छवाहा,भीलवाड़ा
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर
श्री मुकेशराज पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, जोधपुर
श्री रविन्द्र सिंह परिहार, नागौर मोटर्स, नागौर
श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री कल्याण सिंह कच्छवाह, पीपाड़
श्री कुशाल कच्छवाह, के. के. फिलिंग स्टेशन, जोधपुर
श्री राहूल (राजा) पुत्र श्री जगदीश सांखला, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र स्व. श्री पुरूषोत्तम गहलोत, जोधपुर
श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री नारायण राम सोलंकी, बिलाड़ा
श्री इंद्र सिंह टाक (अध्यक्ष, ठेकेदार संघ,जोधपुर PWD)
श्री मुरलीधर सैनी, सुरजमल विनयकुमार, सरदार शहर
श्री हिमांशु पुत्र श्री जब्बरसिंह परिहार, राम सागर, जोधपुर
श्री पूनमसिंह पुत्र श्री पूरखाराम गहलोत, खेमें का कुंआ, जोधपुर
श्री सुभाष पुत्र श्री मूलाराम देवड़ा, सुरपूरा, मण्डोर, जोधपुर

माली सैनी सन्देश

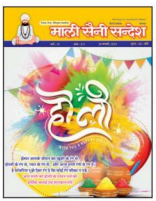

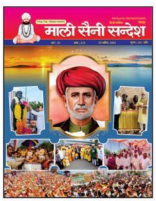

ही क्यों ? क्योंकि, हमारे पास है सेकड़ों एन.आर. आई. सहित 5 हजार पाठकों का विशाल परिवार

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

दिनांक ____________

सदस्यता फॉर्म

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

नाम/संस्था का नाम ____________________

पता ____________________

फोन/मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ____________ पोस्ट ____________ तहसील ____________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रुपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________ हस्ताक्षर

होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (रजि. कार्यालय)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

INNER COLOR

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

रजि. कार्यालय : होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (कार्यालय)

हिण्डोली में समाज 132 जोड़े के सामूहिक विवाह की झलकियां

प्रेषण तिथि : 29/30 मई, 2023
समाचार पत्रिका पंजीयन सं. :RAJHIN/2013/60831
मुद्रण तिथि : 29 मई, 2023
Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23
प्रेषण स्थान : RMS जोधपुर

डीसा में बालिका छात्रावास का शिलान्यास और प्राथमिक विद्यालय का उदघाटन

डीसा। डीसा के जी. जी. विद्यासंकुल परिसर में श्रीमती गंगाबेन वर्धाजी माली बालिका छात्रावास का शास्त्रोक्त रीति अनुसार भूमि पूजन और दलाजी लालाजी गहलोत प्राथमिक विद्यालय का पट्टी काटकर कथावाचक संत छोगारामजी बापू की पुनीत उपस्थिति में उदघाटन किया गया। दीप प्रज्वलित क्रिया के बाद स्वागत गीत से अतिथियों का सादर स्वागत किया गया।

शिक्षा के इस मंदिर के लिए सबसे महत्वपूर्ण सहयोग 2 करोड़, 51 लाख का देवचंदर रागाजी कच्छवाह, सेठ फुलचंद भाई देवचंदर कच्छवाह, जगदीश भाई, देवचंदर कच्छवाह, सुरेश भाई देवचंदर कच्छवाह द्वारा किया गया। गोरधनजी गीगाजी माली विद्यासंकुल द्वारा संचालित महात्मा ज्योतिरा फुले एजुकेशन ट्रस्ट में जो सहयोग किया उस पर समाज के प्रबुद्धजनों सहित अनेकों संस्थाओं ने पूरे परिवार का बहुमान कर आभार प्रकट किया। हमें समाज के ऐसे परिवार पर गर्व है सभी वर्गों को शिक्षित करने के लिए शिक्षा के मंदिर में बड़ा आर्थिक सहयोग कर पुण्य कार्य किया। बाद में पुस्तकालय, क्लासरूम, भोजन खंड आदि के लिए समाज के दानवीरों ने ऐतिहासिक आर्थिक योगदान प्रदान किया। समाज के अग्रगण्य महानुभावो पदाधिकारियों कर्मचारियों एवम समाज के लिए कटिबद्ध और उपयोगी लोगों का पगड़ी शाल व बुके देकर सम्मान किया गया।

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com
पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR